# The Gazette of India

### ग्रसाधारण

### EXTRAORDINARY

भाग II—- ख़पड 3—- उपख़ण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशिका

# PUBLISHED BY AUTHORITY

यं - 366] ा<sub>र</sub>ों ते, दुविधार ध्राव्धुल मा ।. 70/आरिखर ६८० १८०2 HERY DIVING WINDSTOWN OF OFOBER 7, 1970/AGVINA 15, 1892 No. 551

स अा में भिन्न पुष्ट संख्या वी जाती है जिससे कि यह श्रवण लंकनन के रूप म रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

# MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE (Department of Internal Trade)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 7th October 1970

- S.O. 3315.—The Central Government, in consultation with the Forward Markets Commission, having considered the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Jaina Merchants' Association Limited, Jaina, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do hereby grants in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of one year from 10th October 1970 to 9th October, 1971 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cottonseed.

  2. The recognition borely.
- 2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission,

[No. 12(12)-I.T./70.]

R. K. TALWAR, Jt. Secy.

# श्रोद्योगिक विकास तथा श्रांतरिक व्यापार मंत्रालय

(झांतरिक ज्यापार विभाग)

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 7 भ्रम्टूबर, 1970

का • आ • 3315— केन्द्रीय सरकार जलना मर्चेन्टस् एमोशियेशन लि • जलना मान्यता के पुनर्नेवींकरण के लिए अग्निस संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन दिए गए धावेदन पर, वायदा बाजार आयोग से परामर्श करके, विचार कर लेने पर, और अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हिन में और लोकहित में भी होगा, उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एसोशियेशन को बिनौला की अग्निम संविद्याओं की बाबत, 10 अक्टूबर, 1970 से लेकर 9 अक्टूबर, 1971 तक, जिसमें ये दोनों दिन सम्मिलित हैं, एक वर्ष की अतिरिक्त कालाविध के लिए मान्यता प्रदान करती है ।

2 एतद्द्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के प्रध्यधीन है कि उक्त संगम वायदा बाजार श्रायोग द्वारा समय-समय पर दिए जाने वाले निदेशों का श्रनुपालन करेगा ।

> सिं० 12 (12)—प्राई०टी०/70 प्रार०के०तलवार, संयुक्त सचिव।